S.D.O. Pali

06/01/2020

पत्रावली पेश हुयी।
पत्रावली का अवलोकन करने पर पाया कि
वर्ष 2013 से प्रार्थना पत्र पर बहस में
नियत है परन्तु वकील वादी द्वारा
बार-बार बहस प्रा.प. हेतु अवसर
लिये जाते रहे।
वकील वादी को कई मर्तबा
आवाजें दिलाई गई परन्तु वकील
वादी एवं वादी स्वयं कोई भी उपस्थित
नहीं आये।
फलस्वरूप वाद वादी अदम पैरवी,
अदम हाजरी में खारिज किया जाता है।
पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर
से कम हो।

सहायक कलेक्टर
पाली

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Rohitashva Singh Tomar
Date: 2020.01.30 12:42:07 IST
Reason: SelfAttested